पद चालीस का गुप्त इतिहास - संख्या इकतीस

यहेज़केल संख्या बारह

Jeff Pippenger
2026-09-20

पिछला लेख उस अनुच्छेद के साथ समाप्त हुआ था जिसमें लिखा था, “313 का संधि-विवाह, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ पोपीय शक्ति के अंतिम संधि-विवाह का प्रतिनिधित्व करता है—प्रकाशितवाक्य सत्रह के दस राजाओं में प्रमुख राजा; एक दो-सींगों वाली शक्ति, जिसका प्रतिरूप फ्रांस की दो-सींगों वाली शक्ति में पाया जाता है। 496 में क्लोविस से आरम्भ हुई और अंततः 533 में जस्टिनियन की आज्ञप्ति तथा 538 में पोपसत्ता के सिंहासनारोहण तक पहुँचने वाली यह इतिहास-धारा, 1989 से लेकर रविवार के विधान तक के इतिहास का प्रतिनिधित्व करती है।”

रोनाल्ड रीगन का पूर्वरूप 496 में क्लोविस द्वारा प्रकट किया गया था, और डोनाल्ड ट्रम्प का पूर्वरूप 533 में जस्टिनियन द्वारा प्रकट किया गया है। जस्टिनियन की राजाज्ञा 538 में पोपतंत्र के सिंहासनारूढ़ होने से पाँच वर्ष पहले आई थी, और मिलान का आदेश 321 के प्रथम रविवार-विधि से आठ वर्ष पहले आया था। राजाज्ञा और आदेश—दोनों ही उस मार्गचिह्न के रूप में संगत ठहरते हैं जो रविवार-विधि से पूर्व आता है।

रीगन

1870 में, इतालवी सैनिकों ने रोम पर अधिकार कर लिया (20 September 1870)। पोपीय राज्य एक क्षेत्रीय राज्य के रूप में अस्तित्वहीन हो गए, और पोप पायस IX “वेटिकन के बंदी” बन गए। जब पोप के पास ऐसा कोई शेष क्षेत्र नहीं रहा जिसे एक संप्रभु राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त हो, तब संयुक्त राज्य अमेरिका ने (अनेक अन्य देशों की भाँति) पोप के साथ एक लौकिक शासक के रूप में औपचारिक राजनयिक संबंध बनाए रखना बंद कर दिया। October 1951 में, राष्ट्रपति Harry S. Truman ने General Mark W. Clark को वेटिकन में संयुक्त राज्य अमेरिका का राजदूत नामित किया। अनेक प्रोटेस्टेंट कलीसियाओं और संगठनों की ओर से शीघ्र ही प्रबल विरोध उत्पन्न हुआ, जिन्होंने यह तर्क दिया कि यह नियुक्ति कलीसिया और राज्य के पृथक्करण का उल्लंघन करती है। January 1952 में General Clark ने अपना नाम वापस ले लिया।

10 जनवरी, 1984 को राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन और पोप जॉन पॉल द्वितीय ने औपचारिक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और होली सी के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। 9 अप्रैल, 1984 को विलियम ए. विल्सन (जो पहले से ही रीगन के व्यक्तिगत प्रतिनिधि के रूप में सेवा कर रहे थे) ने अपने प्रत्यय-पत्र प्रस्तुत किए और होली सी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रथम राजदूत बने।

1951 से 1984 तक के तैंतीस वर्षों के भीतर कैथोलिकता के विरुद्ध प्रोटेस्टेंटवाद का प्रतिरोध लुप्त हो गया। 496 में क्लोविस के साथ पोपतंत्र के पक्ष में खड़ी हुई “बाहुएँ” 1984 से 1989 तक रीगन का प्रतीक हैं। क्लोविस उस धर्म (मूर्तिपूजकता) को हटाए जाने का प्रतिनिधित्व करता था, जो पोपतंत्र को पुनः सत्ता में उठ खड़ा होने से रोक रहा था, और 1984 तक पोपतंत्र के उदय के प्रति प्रोटेस्टेंटवाद का प्रतिरोध दूर कर दिया गया था। “नित्य” (मूर्तिपूजकता) हटा दी गई थी, और पौलुस पोपतंत्र के प्रति मूर्तिपूजकता के उस प्रतिरोध को हटाए जाने का वर्णन “धर्मत्याग” के रूप में करता है।

कॉन्स्टैन्टाइन महान द्वारा निरूपित समझौतावादी प्रतीकात्मक कलीसिया तथा 313 से 538 तक का इतिहास ऐसे काल का प्रतिनिधित्व करता था जब एक कलीसिया ने अपने आप से समझौता कर लिया और पतित हो गई। ‘508’ द्वारा निरूपित धर्म, जिसने इससे पूर्व पोपीय शक्ति के अतिक्रमण को रोके रखा था, संयुक्त राज्य अमेरिका में

प्रोटेस्टेंटों के पतन का प्रतिरूप था। रीगन का प्रतिनिधित्व क्लोविस द्वारा किया गया था। 496 में क्लोविस ने अपनी "शक्ति" पोपतंत्र को दे दी, इस प्रकार उस "अशुद्ध गठबंधन" का प्रतिरूप प्रस्तुत किया गया जो रीगन के वर्षों में संपन्न हुआ। क्लोविस ने 508 में "नित्य" के हटाए जाने का भी प्रतिनिधित्व किया। 508, 1984 का प्रतिरूप था।

> "मूर्तिपूजा और मसीही धर्म के बीच इस समझौते के परिणामस्वरूप 'पाप का मनुष्य' विकसित हुआ, जिसके विषय में भविष्यवाणी में कहा गया था कि वह परमेश्वर का विरोध करेगा और अपने आप को परमेश्वर से ऊपर उठाएगा। झूठे धर्म की वह विराट व्यवस्था शैतान की सामर्थ्य की उत्कृष्ट कृति है—उसके उन प्रयत्नों का एक स्मारक, जिनके द्वारा वह अपने आपको सिंहासन पर बिठाकर पृथ्वी पर अपनी इच्छा के अनुसार राज्य करना चाहता है।" द ग्रेट कॉन्ट्रोवर्सी, 50.

रीगन ने 1983 के एक भाषण में सोवियत संघ को प्रसिद्ध रूप से एक "दुष्ट साम्राज्य" कहा और नास्तिक साम्यवाद को एक गहन नैतिक तथा आध्यात्मिक संकट के रूप में देखा। उन्होंने और जॉन पॉल द्वितीय ने सोवियत साम्यवाद के विरुद्ध एक निकट व्यक्तिगत और राजनीतिक साझेदारी स्थापित की। दोनों पुरुषों ने इस संघर्ष को नैतिक, यहाँ तक कि ईश्वरीय विधान से संबंधित दृष्टि से देखा; रीगन ने निजी रूप से साम्यवाद को पराजित करने के लिए एक "दैवी योजना" की बात कही। रीगन की फ़ातिमा के प्रकटनों में रुचि थी (वह चेतावनी कि "रूस अपनी भूलों का प्रसार करेगी"), और दोनों नेताओं ने इस साझा अनुभूति पर चर्चा की कि परमेश्वर ने उनके जीवन को (दोनों 1981 में हत्या के प्रयासों से बच गए थे) साम्यवाद की पराजय से संबंधित एक उद्देश्य के लिए सुरक्षित रखा था।

मसीह के चेले

रीगन का पालन-पोषण Disciples of Christ संप्रदाय में हुआ था, जिसके संस्थापक पिताओं ने प्रत्यक्ष रूप से यह शिक्षा दी थी कि कैथोलिक धर्म का पोप ही मसीह-विरोधी है। Disciples of Christ कलीसिया के सर्वाधिक प्रमुख प्रारम्भिक अगुआ Alexander Campbell ने बार-बार पोपतंत्र को मसीह-विरोधी के रूप में चिन्हित किया। वाद-विवादों और लेखनों में उन्होंने तर्क दिया कि Daniel 7 का छोटा सींग, Revelation 13 का पशु, और 2 Thessalonians 2 का पाप का मनुष्य—ये सब रोम के पोपों की ओर संकेत करते हैं। उन्होंने इन अभिज्ञानों का उपयोग सार्वजनिक वाद-विवादों में किया (जिसमें 1837 में कैथोलिक बिशप John B. Purcell के साथ हुआ वाद-विवाद भी सम्मिलित था)। Barton W. Stone ने पोप के शासन को सच्चा मसीह-विरोधी और "पाप का मनुष्य" कहा। Walter Scott (आन्दोलन के एक अन्य प्रारम्भिक सुसमाचार-प्रचारक) ने लिखा कि पाप का मनुष्य, अर्थात् रोम का पोप, मसीही कलीसिया में उठ खड़ा होगा और स्वयं को परमेश्वर से ऊपर ऊँचा करेगा।

रीगन की माता नेल, Disciples of Christ संप्रदाय की एक धर्मनिष्ठ सदस्य थीं और उनके बाल्यकाल में वही उन पर प्रमुख धार्मिक प्रभाव थीं। 11 वर्ष की आयु में इलिनॉय के डिक्सन स्थित Disciples of Christ कलीसिया में रीगन का बपतिस्मा हुआ, और किशोरावस्था में वे वहाँ सक्रिय रहे (जिसमें संडे स्कूल में शिक्षण भी सम्मिलित था)। उन्होंने यूरेका कॉलेज में अध्ययन किया, जो Disciples of Christ से संबद्ध था।

> "जो लोग वचन की समझ में भ्रमित हो जाते हैं, जो मसीह-विरोधी के अर्थ को देखने में असफल रहते हैं, वे निश्चित ही अपने आप को मसीह-विरोधी के पक्ष में रखेंगे। अब हमारे पास संसार के साथ आत्मसात हो जाने का कोई समय नहीं है।" Kress Collection, 105.

रीगन का प्रतिरूप क्लोविस द्वारा तथा कॉन्स्टैन्टाइन महान के समझौते द्वारा भी प्रकट हुआ था। रीगन 1989 में अंत-समय के पश्चात् अंतिम आठ राष्ट्रपतियों में प्रथम भी था। अंतिम आठ राष्ट्रपतियों में प्रथम होने के नाते वह डोनाल्ड ट्रम्प का प्रतिरूप है, जो रीगन के समान पोपसत्ता के वास्तविक उद्देश्यों के विषय में, और यह कि पोपसत्ता कौन है, अत्यन्त गहन भ्रम में है।

> क्या दो जन एक साथ चल सकते हैं, यदि वे एकमत न हों? आमोस 3:3।

दानिय्येल अध्याय ग्यारह में छठा और अंतिम संधि-विवाह उस इतिहास में घटित होता है जो 1989 में अंत के समय से आरम्भ होता है, और डोनाल्ड ट्रम्प के इतिहास में समाप्त होता है।

> "संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्तमान में चल रहे उन आंदोलनों में, जिनका उद्देश्य कलीसिया की संस्थाओं और प्रथाओं के लिए राज्य का समर्थन सुनिश्चित करना है, प्रोटेस्टेंट पापवादियों के पदचिह्नों पर चल रहे हैं। इतना ही नहीं, वे पापाई सत्ता के लिए यह द्वार खोल रहे हैं कि वह प्रोटेस्टेंट अमेरिका में फिर से वही सर्वोच्चता प्राप्त कर ले, जिसे उसने पुराने संसार में खो दिया है।" — The Great Controversy, 573.

313 की विवाह-संधि और मिलान की आज्ञप्ति 533 के इतिहास के साथ संगति रखती है, और 533 में जस्टिनियन की आज्ञा को फिर से एक नामधारी मसीही प्रशासन द्वारा लागू किया जाएगा, जो अब यह नहीं समझता कि पापीय सत्ता को एक मसीही संस्था के रूप में पहचानना, सर्वोत्तम स्थिति में, आत्मविरोधी है, और निकृष्टतम स्थिति में, घातक भ्रम है।

कलीसिया और राज्य

457 ईसा पूर्व में, अर्तक्षत्र के तीसरे आदेश ने राजनीतिक तथा धार्मिक—दोनों प्रकार के अधिकार के लिए राष्ट्रीय प्रभुसत्ता को पुनर्स्थापित कर दिया।

> और हे एज्रा, अपने परमेश्वर की उस बुद्धि के अनुसार, जो तेरे हाथ में है, ऐसे हाकिम और न्यायी नियुक्त कर, जो नदी के पार रहने वाली सारी प्रजा का न्याय करें, अर्थात् उन सब का जो तेरे परमेश्वर की व्यवस्था को जानते हैं; और जो उसे नहीं जानते, उन्हें तुम सिखाओ। और जो कोई तेरे परमेश्वर की व्यवस्था और राजा की व्यवस्था पर न चले, उस पर तुरंत दण्ड दिया जाए—चाहे वह मृत्यु-दण्ड हो, या देश-निकाला, या संपत्ति की जब्ती, या कारावास। एज्रा 7:25, 26.

तीसरे फ़रमान ने परमेश्वर की व्यवस्था और राजा की व्यवस्था—दोनों के संबंध में न्याय और दण्ड के क्रियान्वयन का अधिकार प्रदान किया। उस फ़रमान ने उस तेईस-सौ-वर्षीय भविष्यवाणी का आरम्भ चिह्नित किया, जिसका समापन 22 अक्तूबर 1844 को हुआ, जब मसीह अचानक अपने मन्दिर में आए। इसी ने उस दो-सौ-पचास-वर्षीय भविष्यवाणी के आरम्भ को भी चिह्नित किया, जिसका अन्त 207 ईसा पूर्व में हुआ, 217 ईसा पूर्व में राफ़िया और 200 ईसा पूर्व में पानियम की लड़ाइयों के बीच के इतिहास में। 457 ईसा पूर्व में नागरिक और धार्मिक—दोनों प्रकार की प्रभुसत्ता की पुनर्स्थापना एक द्विगुणित अल्फ़ा की पहचान कराती है, जो दो ओमेगा परिपूर्णताओं को पाती है। दोनों ओमेगा परिपूर्णताएँ एक बन्द द्वार का प्रतिनिधित्व करती हैं; एक प्रोटेस्टेंट सींग के लिए और दूसरी रिपब्लिकन सींग के लिए।

तेईस सौ वर्षों की पहली भविष्यद्वाणी परमेश्वर की व्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करती थी, और दो सौ पचास वर्षों की भविष्यद्वाणी राजा की व्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करती थी। ये दोनों भविष्यद्वाणियाँ प्रकाशितवाक्य तेरह के पृथ्वी-पशु पर प्रोटेस्टेंटवाद के सींग और गणतंत्रवाद के सींग की पहचान कराती हैं। पृथ्वी-पशु का गणतंत्रीय सींग दानिय्येल ग्यारह के पद ग्यारह से सोलह के मध्य में स्थापित किया गया है। राफिया और पैनियम के बीच की सत्रह-वर्षीय अवधि, 457 ईसा-पूर्व में तीसरे आदेश की द्विगुणित भविष्यद्वाणी के एक सींग द्वारा प्रतिच्छेदित होती है। यह द्विविध भविष्यद्वाणी अंतिम वाचा-प्रजा के न्याय तथा उस राष्ट्र के न्याय—जहाँ उस वाचा-प्रजा की जड़ें पाई जाती हैं—दोनों की पहचान कराती है।

> और उसने अब्राम से कहा, तू निश्चय जान ले कि तेरी सन्तान ऐसे देश में परदेशी होगी जो उनका नहीं होगा, और वे उनकी दासता करेंगे; और वे उन्हें चार सौ वर्ष तक दुःख देंगे; और जिस जाति की वे दासता करेंगे, उसका मैं न्याय करूँगा; और उसके बाद वे बड़ी सम्पत्ति के साथ निकल आएँगे। उत्पत्ति 15:13, 14.

यहेजकेल की पुस्तक में 22 अक्तूबर 1844 का पूर्वरूप 22 अक्तूबर 573 ईसा-पूर्व द्वारा दिखाया गया है। एक तिथि खोजी न्याय के आरम्भ की पहचान कराती है, और दूसरी न्याय की प्रक्रिया के आरम्भ तथा उसके समापन—दोनों अवसरों पर जुबिली की तुरही के फूँके जाने की पहचान कराती है। दोनों तिथियाँ परस्पर मेल खाती हैं, और दोनों एक बन्द द्वार की ओर संकेत करती हैं। 1844 पवित्र स्थान के द्वार के बन्द होने का द्योतक है, जब मसीह परम-पवित्र स्थान में प्रवेश कर गए। 573 ईसा-पूर्व मानव अनुग्रह-अवधि के समापन की पहचान कराता है, जब पाप के दास, जो छुड़ाए जा चुके हैं, अपनी स्वतंत्रता प्राप्त करते हैं, और निवास करने के लिए एक नई पृथ्वी पाते हैं।

> और यदि वह इन वर्षों के भीतर छुड़ाया न जाए, तो वह जुबली के वर्ष में निकल जाएगा, वह और उसके साथ उसके बच्चे भी। क्योंकि इस्राएलियों की सन्तान मेरे लिए दास हैं; वे मेरे ही दास हैं, जिन्हें मैं मिस्र देश से निकाल लाया हूँ: मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ। लैव्यव्यवस्था 25:54, 55.

२२ अक्तूबर, दोनों ही, शीघ्र आने वाले संडे लॉ के बंद द्वार का प्रतिनिधित्व करते हैं। एडवेंटिज़्म को दी गई परीक्षाकाल की अवधि 1844 में आरम्भ हुई थी और उसका अंत शीघ्र आने वाले संडे लॉ पर होता है; तथा संयुक्त राज्य अमेरिका को दी गई परीक्षाकाल की अवधि का अंत भी शीघ्र आने वाले संडे लॉ पर होता है। ये दोनों अंत २२ अक्तूबर के 2,300 वर्षों और दो सौ पचास वर्षों के दो साक्षियों के साथ एकरेखित होते हैं।

राफिया और पानियम के बीच के इतिहास में समाप्त होने वाले वे दो सौ पचास वर्ष, उन दो लड़ाइयों की अवधि को दो प्रतीकात्मक संख्याओं में विभाजित करते हैं, जो मिलकर अपना स्वयं का विशिष्ट अर्थ रखती हैं। राफिया के दस वर्ष बाद—जिसका अर्थ है सीमांत-प्रदेश—और पानियम से सात वर्ष पहले, जो एक ऐसी लड़ाई थी जो समतल भूमि पर लड़ी गई और घेराबंदी पर समाप्त हुई। दस और सात, एक प्रतीक के रूप में, कई साक्षियों के आधार पर अजगर की शक्ति की पहचान कराते हैं। 207 ईसा पूर्व, पृथ्वी के पशु के प्रतीक ट्रम्प को, दानिय्येल ग्यारह की ग्यारहवीं और पंद्रहवीं आयत के बीच रखता है, जो भविष्यवाणी के अनुसार उसे अजगर के समान बोलने के लिए तैयार करता है, जैसा कि संख्या दस और संख्या सात के संयोजन द्वारा निरूपित है।

सत्रह भी प्रतीकात्मक है, और यह राफिया से पानियम तक के इतिहास को पानियम से आगे तथा राफिया से पहले तक भी विस्तृत करता है। टॉलेमी चतुर्थ फिलोपेटर ने 221 ईसा पूर्व से 204 ईसा पूर्व तक टॉलेमिक मिस्र के राजा के रूप में राज्य किया, और उसने 217 ईसा पूर्व में राफिया में एंटिओकस मैग्नस को पराजित किया। टॉलेमी ने राफिया से पहले राज्य करना आरम्भ किया, और उसने 'सत्रह' वर्षों तक राज्य किया। संख्या सत्रह एक ऐसे ऐतिहासिक काल का प्रतिनिधित्व करती है जो राफिया से पूर्व आरम्भ होता है, और जो पानियम की लड़ाई तथा सीदोन की घेराबंदी से आगे बढ़ते हुए 330 वर्ष द्वारा निरूपित मानव परिवीक्षा की समाप्ति तक पहुँचता है। स्मुर्ना की कलीसिया की अवधि के लिए ढाई-सौ-वर्षीय भविष्यवाणी 64 में आरम्भ हुई और 313 के मिलान के फ़रमान तथा विवाह-संधि पर समाप्त हुई।

महान कॉन्स्टैन्टाइन पिरगमुस की कलीसिया के इतिहास का प्रतिनिधित्व करता है, और वह इतिहास 313 में आरम्भ हुआ तथा 538 में समाप्त हुआ। 313 में ढाई-सौ-वर्षीय भविष्यवाणी की समाप्ति के बाद के प्रथम 'सत्रह' वर्षों में तीन मार्गचिह्न हैं। 313 मिलान का फ़रमान था, 321 पहला रविवार का कानून था, और 330 में साम्राज्य का विभाजन चिह्नित होता है। 330 अंतिम रविवार के कानून का प्रतिनिधित्व करता है, जो मानव अनुग्रह-अवधि की समाप्ति को चिह्नित करता है। इसलिए संख्या सत्रह राफ़िया से पहले आरम्भ होती है और पानियम तथा सिदोन के सैन्य अभियान के बहुत बाद समाप्त होती है। दानिय्येल ग्यारह का पद सोलह संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून का प्रतिनिधित्व करता है।

स्मुर्ना की भविष्यवाणी घेरेबंदी के उस चिन्ह की पहचान कराती है, जो यहेजकेल की चेतावनी के संदेश का सर्वथा केंद्रबिंदु है। रविवार के विधान से पूर्व आने वाला वह मार्गचिह्न, जैसा कि यरूशलेम के विनाश के दो दृष्टांतों द्वारा निरूपित किया गया है, घेरेबंदी है; परंतु वह मिलान का फरमान भी है, जो पशु की मूरत के गठन का आरंभ करता है।

घेराबंदी के समय एक वाचा-संबंधी विवाह-यात्रा घटित होगी। यह उस विवाह-यात्रा का एक फ्रैक्टल है जो रीगन के साथ आरम्भ हुई थी, जैसा कि 496 में क्लोविस द्वारा प्रतिरूपित किया गया था; परन्तु विवाह की ओर जाने वाली अंतिम यात्रा घेराबंदी पर आरम्भ होती है, जो 533 में जस्टिनियन के आदेश तथा 313 में मिलान की आज्ञप्ति के साथ संरेखित होती है। ये दोनों मार्गचिह्न रविवार-विधि से पूर्व आते हैं। 313, 321 के प्रथम रविवार-विधि से पूर्व था, और 533 का आदेश 538 में ऑरलियाँ की तृतीय परिषद में हुए रविवार-विधि से पूर्व था। किसी प्रकार का विधान जस्टिनियन के आदेश और मिलान की आज्ञप्ति—दोनों—की भविष्यद्वाणी-संबंधी विशेषताओं को पूरा करेगा, जबकि किसी प्रकार का एक प्रतीकात्मक वाचा-विवाह स्थापित किया जाएगा।

जब वह आदेश जारी किया जाता है, तब तैयार होने के लिए बहुत देर हो चुकी होती है, क्योंकि परिवीक्षा का द्वार प्रोटेस्टेंट सींग पर उतनी ही निश्चितता से बंद हो जाता है, जितनी निश्चितता से वह मिस्र में प्रथम फसह के समय बंद हुआ था। इसके पश्चात् रविवार का कानून, अगला मार्गचिह्न, केवल यह नहीं पहचान कराता कि पशु की मूरत पूर्ण रूप से गठित हो चुकी है, बल्कि यह भी कि पशु की छाप का प्रवर्तन हो चुका है। रविवार का कानून रिपब्लिकन सींग—प्रकाशितवाक्य तेरह के पृथ्वी के पशु—के लिए परिवीक्षा के अंत को उतनी ही निश्चितता से चिह्नित करता है, जितनी निश्चितता से फसह के बाद फ़िरौन और उसकी सेना लाल समुद्र में मारे गए थे।

दो सौ पचास वर्ष, जो 207 BC में समाप्त होते हैं, डोनाल्ड ट्रम्प की पहचान करते हैं, जिन्हें Antiochus Magnus द्वारा निरूपित किया गया है, जो उस आगामी अभियान की तैयारी कर रहा है जो Panium के मैदान में आरम्भ होता है और Sidon की घेराबन्दी पर समाप्त होता है। Panium के युद्ध के पश्चात्, Aetolia का टॉलेमिक सेनापति Scopas लगभग 10,000 जीवित बचे सैनिकों के साथ Sidon नगर को भाग गया। Antiochus ने उसका पीछा किया और Sidon की 'घेराबन्दी' कर दी। अलेक्ज़ान्द्रिया स्थित टॉलेमिक सरकार ने सहायता-सेना भेजी, परन्तु वह असफल रही। भूखमरी का सामना करते हुए, Scopas ने नगर समर्पित कर दिया। Antiochus ने Scopas को जाने दिया; बाद में Scopas मिस्र लौट गया, जहाँ अंततः उस पर राजद्रोह और गबन के आरोपों में मृत्युदण्ड दिया गया। Sidon की घेराबन्दी ने Panium के पश्चात् Coele-Syria पर Antiochus की विजय को पूर्ण कर दिया।

सिस्टर व्हाइट, उरियाह स्मिथ की पुस्तक, डैनियल एंड द रिवेलेशन, को "परमेश्वर का सहायक हाथ" के रूप में पहचानती हैं। स्मिथ, दानिय्येल ग्यारह के पद चौदह और पन्द्रह पर अपनी टीका में, अन्तियुखुस के दो-चरणीय अभियान की पहचान करते हैं।

> मिस्र के युवा राजा की शिक्षा-दीक्षा रोमी सीनेट द्वारा एम. एमिलियस लेपिडस को सौंपी गई, जिन्होंने उस दरबार के एक वृद्ध और अनुभवी मंत्री अरिस्टोमेनेस को उसका संरक्षक नियुक्त किया। उसका पहला कार्य दो संघबद्ध राजाओं, फिलिप और एंटिओकस, के आसन्न आक्रमण के विरुद्ध प्रबंध करना था।
>
> "इस उद्देश्य से उसने एटोलिया के एक प्रसिद्ध सेनापति स्कोपास को, जो उस समय मिस्रियों की सेवा में था, उसकी मातृभूमि में सेना के लिए अतिरिक्त सैन्य-सहायता जुटाने हेतु भेजा। सेना से सुसज्जित होकर वह पलिश्तीन और कोएले-सीरिया में आ गया (क्योंकि एंटिओकस उस समय लघु एशिया में अत्तालुस के विरुद्ध युद्ध में संलग्न था), और उसने समस्त यहूदिया को मिस्र के अधिकार के अधीन कर दिया।"
>
> "इस प्रकार हमारे समक्ष उपस्थित इस पद की पूर्ति के लिए घटनाएँ ऐसी स्थिति में लाई गईं। क्योंकि अन्तियोकुस, रोमियों के आदेश पर अत्तालुस के विरुद्ध अपने युद्ध से विरत होकर, मिस्रियों के हाथों से पलिश्तीन और कोएले-सूरिया को पुनः प्राप्त करने के लिए शीघ्र कदम उठाने लगा। उसका सामना करने के लिए स्कोपास को भेजा गया। यरदन के उद्गम-स्थानों के निकट, दोनों सेनाएँ आमने-सामने हुईं। [Panium] स्कोपास पराजित हुआ, सैदोन तक खदेड़ा गया, और वहाँ उसका कड़ा घेराव किया गया। मिस्र के तीन अत्यन्त योग्य सेनापतियों को, अपनी श्रेष्ठ सेनाओं के साथ, उस घेराव को उठाने के लिए भेजा गया, परन्तु वे सफल न हो सके। अन्ततः स्कोपास, अकाल के कृश और अस्पर्श्य प्रेतरूप में ऐसे शत्रु से सामना करके, जिसका वह सामना करने में असमर्थ था, केवल प्राणदान की लज्जाजनक शर्तों पर आत्मसमर्पण करने के लिए विवश हुआ; जिसके बाद

> उसे और उसके दस हजार आदमियों को, वस्त्रहीन और नग्न करके, चले जाने दिया गया। यहाँ उत्तर के राजा द्वारा सबसे सुदृढ़ गढ़वाले नगरों पर अधिकार किया जाना था; क्योंकि सैदोन, अपनी स्थिति और अपनी प्रतिरक्षाओं—दोनों की दृष्टि से—उन दिनों के सबसे शक्तिशाली नगरों में से एक था। यहाँ दक्षिण की सेनाओं के टिक न सकने की बात थी, और उन लोगों की भी असफलता थी जिन्हें दक्षिण के राजा ने चुना था; अर्थात् स्कोपास और उसकी एतोलियाई सेनाएँ।" Daniel and the Revelation, 257, 258.

दो सौ पचास वर्ष की वह भविष्यवाणी जो 207 ईसा पूर्व में समाप्त होती है, डोनाल्ड ट्रम्प की पहचान कराती है। दो सौ पचास वर्ष की वह भविष्यवाणी जो 313 में पूर्व और पश्चिम के संधि-विवाह तथा मिलान की आज्ञप्ति के साथ समाप्त होती है, संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु की मूरत के गठन की पहचान करा रही है। पिरगमुस की कलीसिया, जो 313 में आरम्भ हुई, उस इतिहास का प्रतिनिधित्व करती है जिसमें मसीहियत पोप-सत्ता के सिंहासन ग्रहण करने से पूर्व, मूर्तिपूजक धर्म के साथ समझौते के द्वारा पतित हो गई। पिरगमुस और वर्ष 313 उस समझौते का प्रतिरूप हैं, जिसका प्रतिनिधित्व संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु की मूरत के गठन द्वारा किया गया है। यह मसीहियत और पोपीय रोम के समझौते का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि कैथोलिक धर्म की व्यवस्था न तो उससे अधिक है और न उससे कम, वरन् एक मसीही संस्था के रूप में छिपाया गया मूर्तिपूजक धर्म ही है। दो सौ पचास वर्ष की वह भविष्यवाणी जो 1776 में आरम्भ हुई और इस वर्ष समाप्त होती है, वह भी संयुक्त राज्य अमेरिका को सम्बोधित कर रही है। इस प्रकार, दो सौ पचास वर्ष की ये तीनों भविष्यवाणियाँ प्रकाशितवाक्य तेरह के पृथ्वी-रूपी पशु के किसी-न-किसी भविष्यसूचक पक्ष को सम्बोधित करती हैं, और तीनों संख्या सत्रह द्वारा निरूपित भविष्यसूचक रेखाओं के भीतर समाप्त होती हैं।

रविवार-विधि वही समय है जब संयुक्त राज्य अमेरिका अजगर के समान बोलता है, और किसी राष्ट्र का बोलना उसके विधायी और न्यायिक प्राधिकारियों की कार्रवाई होता है।

> "राष्ट्र का 'बोलना' उसकी विधायी और न्यायिक प्राधिकरणों की कार्रवाई है।" The Great Controversy, 442.

ट्रम्प न तो न्यायिक प्राधिकारी है और न ही विधायी; इसलिए शीघ्र आने वाला रविवार का कानून कांग्रेस द्वारा ही संपन्न किया जाता है। तौभी, कोई भी ऐसी कार्रवाई जो पोपीय सत्ता को समर्थन प्रदान करे, रविवार के कानून का प्रतिरूप है। 533 की डिक्री और 313 का फ़रमान उस अवधि के आरंभ की पहचान कराते हैं जब पशु की मूरत का गठन होता है। उसका निष्कर्ष शीघ्र आने वाला रविवार का कानून है, और यीशु सदा अंत को आरंभ के द्वारा चित्रित करते हैं; इसलिए ट्रम्प की ओर से किसी कार्यकारी आदेश के माध्यम से की गई ऐसी कोई कार्रवाई, जो बाइबल की भविष्यवाणी के मसीह-विरोधी को किसी भी प्रकार की "रियायत" प्रदान करे, उस आंदोलन के अल्फा का प्रतिनिधित्व करेगी, जिसका अंत केवल ओमेगा पर होता है, जब संयुक्त राज्य अमेरिका "अपनी सरकार के सिद्धांतों का इस प्रकार परित्याग करेगा कि वह रविवार का एक कानून अधिनियमित करे।"

> "ऐसे बहुत से लोग हैं—यहाँ तक कि इस रविवार-पालन के प्रवर्तन के लिए चल रहे इस आंदोलन में लगे हुए लोगों में भी—जो उन परिणामों के प्रति अंधे बने हुए हैं जो इस कार्यवाही के बाद आएँगे। वे यह नहीं देखते कि वे सीधे-सीधे धार्मिक स्वतंत्रता पर आघात कर रहे हैं। बहुत से ऐसे हैं जिन्होंने कभी बाइबिल के सब्त के दावों को नहीं समझा, और न ही उस मिथ्या आधार को, जिस पर रविवार-संस्था टिकी हुई है। धार्मिक विधान के पक्ष में कोई भी आंदोलन वास्तव में पोपतंत्र के प्रति रियायत का कार्य है, जिसने इतने युगों तक अंतःकरण की स्वतंत्रता के विरुद्ध निरंतर युद्ध किया है। रविवार-पालन, एक तथाकथित मसीही संस्था के रूप में, अपना अस्तित्व 'अधर्म के भेद' के कारण रखता है; और उसका प्रवर्तन वस्तुतः उन सिद्धांतों की स्वीकृति होगा जो रोमनवाद की आधारशिला हैं। जब हमारा राष्ट्र अपनी सरकार के सिद्धांतों का इस प्रकार परित्याग करते हुए रविवार का कानून बनाएगा, तब प्रोटेस्टेंटवाद इस कार्य में पोपतंत्र से हाथ मिला लेगा; यह और कुछ नहीं, वरन् उस अत्याचार को जीवन देना होगा जो बहुत समय से अपने अवसर की उत्कट प्रतीक्षा कर रहा है, ताकि फिर से सक्रिय निरंकुशता के रूप में उछल पड़े।" Testimonies, volume 5, 711.

धार्मिक विधान के पक्ष में होने वाला कोई भी “आंदोलन वास्तव में पोपतंत्र के प्रति रियायत का एक कार्य है,” और ऐसे आंदोलन शीघ्र आने वाले रविवार-विधि से पहले ही घटित होते हैं।

> “इस दिन की उपासना को प्रवर्तित करने वाली आज्ञा समस्त संसार में प्रचलित की जानी है। सीमित मात्रा में, वह पहले ही प्रचलित की जा चुकी है। अनेक स्थानों में नागरिक सत्ता अजगर के स्वर में बोल रही है, ठीक वैसे ही जैसे अन्यजातीय राजा ने इब्रानी बन्धुओं से कहा था।” Signs of the Times, May 6, 1897.

हम इन बातों को अगले लेख में जारी रखेंगे।